class XII

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Department of Sociology

Lecture I

परिवार के प्रकार (Types of Family) → परिवार का स्वरूप सार्वभौमिक है। यह विश्व के प्रत्येक समाज में पाया जाता है। परन्तु परिवार का स्वरूप विभिन्न समाज में भिन्न-भिन्न है। भारतीय समाज के सन्दर्भ में विद्वानों ने अनेक आधार पर परिवार के प्रकारों को स्पष्ट किया है जो इस प्रकार है-

(I) आकार संगठन और संरचना के आधार पर

(i) एकाकी परिवार (Nuclear family) - यह परिवार का सबसे लघु स्वरूप है। इसका निर्माण पति, पत्नी एवं अविवाहित बच्चों से होती है। जब बच्चे बालिग होकर विवाह कर लेते हैं तो स्वयं अलग परिवार का निर्माण करते हैं। समसमाजिक समाज में इसका अत्यधिक प्रचलन है। हो-जनजाति में भी यह पाया जाता है।

(ii) परम्परागत संयुक्त परिवार - यह परिवार का वह स्वरूप है जिसमें कम से कम तीन पीढ़ियों के लोगों का समान निवास हो, एक रसोई हो, एक आर्थिक इकाई हो, सामान्य पूजा में भाग लेते हो और परस्पर

2020-8-21 09:42

रक्त सम्बन्धों में बंधे हों। ऐसे परिवार की पूरी सत्ता एक मुखिया के पास होती है। भारतीय समाज में यह अधिक पाया जाता है। मालाबार के नायरों में भी इसका प्रचलन है।

(iii) विस्तृत परिवार – यह परिवार का वह स्वरूप है जिसमें कई परिवार एक वंशानुक्रम से सम्बन्धित होते हैं किन्तु निवास के रूप में उनमें कुछ परिवार अलग इकाई में बंटे रहते हैं। अर्थात इसके अन्तर्गत विभिन्न पीढ़ियों के परिवार आ जाते हैं। उनमें कुछ निकट पीढ़ी वाले एक निवास एवं एक आर्थिक इकाई में भी रह सकते हैं, कुछ पृथक इकाई के रूप में बंटे होते हैं किन्तु एक वंशानुक्रम की भावना उन्हें एक सूत्र में बांधे रहती है। इसका प्रचलन अफ्रीकी समाजों में देखा जाता है।

(iv) मिश्रित परिवार - यह परिवार का वह रूप है जिसकी संरचना एकाकी परिवार की है परन्तु भावनात्मक एवं कार्यात्मक रूप से वे संयुक्त परिवार से जुड़े होते हैं। भारतीय नगरों में ऐसे परिवारों का प्रचलन बढ़ा है। सैद्धान्तिक रूप में ये परिवार संयुक्त या विस्तृत परिवार की इकाई होती है परन्तु व्यावहारिक रूप में यह एकाकी परिवार के रूप में कार्य करता है। मानसिक रूप में ये संयुक्त परिवार से जुड़े होने के कारण श्राद्ध या अन्य कार्यक्रमों में भाग ले लेते हैं परन्तु यह औपचारिक

2020-8-21 09:43